तापमान

अधिकतम 37.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

वनांचल भूमि

रायपुर, सोमवार 20 अप्रैल 2026

विधायक लता ने दी 13.79 करोड़ के 18 विकास कार्यों की सौगात 10

दुर्गम और जटिल क्षेत्र में सुरंग बनाकर रेलवे ने रचा कीर्तिमान 10

छ.ग.-प्री.बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2026
ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन अंतिम तिथि
24/04/2026
(संध्या 5 बजे तक)
बी.एम. कॉलेज
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9300850065
9340311314, 9303893829

अक्षय तृतीया व परशुराम जयंती पर मंदिरों में गूंजते रहे वैदिक मंत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

अक्षय तृतीया एवं भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम के प्राकट्य दिवस के अवसर पर रविवार को भक्ति और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। दंतेश्वरी मंदिर, लक्ष्मीनारायण मंदिर, दुर्गा मंदिर, हनुमान मंदिर, शीतला माता मंदिर एवं मावली मंदिर सहित अन्य मंदिरों में पूजा-अर्चना, आरती और प्रसाद वितरण किया गया।

आचार्य एवं पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी एवं भगवान परशुराम की आराधना कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस दिन को अबूझ मुहूर्त माना जाता है। बिना पंचांग देखे ही विवाह, गृह प्रवेश, खरीददारी और अन्य शुभ कार्यों की शुरूआत की गई। अक्षय तृतीया के अवसर पर बाजारों में भी रौनक देखने को मिली। लोगों ने सोना-चांदी सहित अन्य वस्तुओं की खरीददारी कर समृद्धि का प्रतीक माना। साथ ही अन्न, जल एवं वस्त्र दान कर पुण्य अर्जित किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन किया गया हर शुभ कार्य अक्षय फल प्रदान करता है जिससे इसका महत्व बढ़ जाता है। वहीं परशुराम जयंती के अवसर पर विशेष पूजा कर उनके शौर्य और धर्म रक्षा के संकल्प को स्मरण किया गया। श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर जल, चंदन और रोली अर्पित कर पूजा-अर्चना की।

दंतेश्वरी और मावली मंदिर में भक्तों की भीड़, दिनभर चलते रहे धार्मिक आयोजन

दान का विशेष महत्व

आचार्य पंडित रोमितराज त्रिपाठी ने बताया कि आज के दिन जल दान, घट दान, सत्तू दान, अन्न दान एवं वस्त्र दान इत्यादि प्रमुख दान अक्षय पुण्य देने वाले हैं। इस दिन कुछ न कुछ दान सुपात्र को करना चाहिए। दान और सहायता में अंतर होता है। दान हमेशा सुपात्र को दी जाती है। सहायता जरुरतमंद की होती है। दोनों का अलग महत्व होता है। दान तभी फल देता है जब योग्य वेदपाठी धर्मनिष्ठ ब्राह्मण को दान दें।

क्यों खास है अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती

आचार्य पंडित रोमितराज त्रिपाठी के अनुसार भारतीय हिंदू पंचांग के अनुसार हिंदू नव वर्ष के वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को अक्षय तृतीया या स्थानीय भाषा में आखा तीज के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि अक्षय अर्थात जिसका क्षय न हो। इसलिए आज के दिन में किया गया कोई भी कार्य अक्षय फल सिद्ध होता है। मुहूर्त ग्रंथों में आज के दिन को अपृच्छ मुहूर्त की संज्ञा दी गई है, अर्थात पूछने की आवश्यकता नहीं यह स्वयं सिद्ध मुहूर्त है। इस दिन सारे मांगलिक कार्य भूमि पूजन, गृह प्रवेश, विवाह, उपनयन, मंदिर प्रतिष्ठा, कार्यालय उदघाटन कार्यों के लिए शुभ माना गया है। आचार्य के अनुसार इस वर्ष यह योग 19 अप्रैल से 20 अप्रैल प्रातः 7.28 तक रहेगा। पौराणिक रूप से देखे तो इस दिन को परशुराम जयंती एवं त्रेता युग आरम्भ की तिथि मानी जाती है। इसलिए आज के दिन सभी प्रकार के व्रत, जप, तप, यज्ञ अनुष्ठान एवं दान का बड़ा महत्व है।

खबर संक्षेप

विधायक ने एसडीएम से कहा- पटवारी को हटाओ

घाटलोहंगा। विधायक लखेश्वर बघेल ने पटवारी पर लग रहे गंभीर आरोपों को लेकर प्रशासन को पत्र लिखकर मामले की जांच की मांग की है। ग्राम पंचायत पोण्डानार मोहलाई में पदस्थ पटवारी के खिलाफ स्थानीय ग्रामीणों द्वारा लगातार शिकायतें की जा रही है। हल्का नंबर 13 एवं 18 के रहवासियों ने पटवारी के कार्य व्यवहार और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। विधायक ने पत्र में उल्लेख किया है कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने पटवारी के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराईं। लोगों में असंतोष को देखते हुए उन्होंने पटवारी को अन्य स्थान पर पदस्थ करने की अनुशंसा की है। विधायक ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बकावंड से मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई करने कहा है।

टमाटर की कीमतों में उछाल, 20 रुपए किलो तक पहुंचा

जगदलपुर। शहर के बाजार में टमाटर की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे वे 15-20 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। मुख्य कारण भीषण गर्मी के कारण स्थानीय फसल की आवक में कमी है। इस वजह से उपभोक्ताओं के लिए टमाटर खरीदना महंगा हो गया है और यह आम आदमी की थाली से दूर हो रहा है। गर्मी के कारण फसल की आवक कम हो गई है, जिससे टमाटर के दाम बढ़े हैं, बेमौसम बारिश और अत्यधिक गर्मी के कारण उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। बाजार में इस रविवार को टमाटर 15-20, तरबूज 80, परवल 60, मटर 40-50, करेला 60, पत्तागोभी 20, फूलगोभी 50, बरबट्टी 40, भट्टा 50, कुंदरू 40, आलू 20, प्याज 25, गंवरफल्ली 30, सेम 60 रुपए प्रतिकिलो की दर में बिक रहा है। साथ ही लालभाजी, पालकभाजी, मैथी भाजी 20 रूपए में 6 जूड़ी बिकी रही है।

3495 आवेदकों ने परिवहन आरक्षक भर्ती की दी परीक्षा

दर्जनभर अभ्यर्थियों के आस्तीन कटे और आधा दर्जन ने नंगे पैर दी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा रविवार को परिवहन विभाग के अंतर्गत परिवहन आरक्षक के रिक्त पदों हेतु लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया, इसमें 3495 अभ्यर्थियों ने परिवहन आरक्षक भर्ती की परीक्षा दी। परीक्षा के पूर्व लगभग एक दर्जन परीक्षार्थियों के आस्तीन काटे गए और आधा दर्जन परीक्षार्थियों ने नंगे पैर से परीक्षा दी, क्योंकि उन्होंने चप्पल की बजाय जूते पहनकर पहुंचे थे। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों को केवल मूल प्रवेश पत्र और फोटोयुक्त पहचान पत्र के साथ ही अनुमति दी गई। जबकि जूते-मोजे, घड़ी, बेल्ट और आभूषणों जैसी वस्तुओं को पूर्णतः वर्जित रखा गया था। लगभग 7-8 लोगों को विलंब के चलते बैरंग वापस लौटे।

- केंद्रों पर मेटल डिटेक्टर से की जांच

कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा बस्तर जिले में 21 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे, जहां सुबह 11 बजे से दोपहर 1.15 बजे तक परीक्षार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया। परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रशासन ने इस बार अत्यंत कड़े सुरक्षा मानक अपनाए थे, जिसके तहत केंद्रों पर मेटल डिटेक्टर से गहन जांच की गई। अभ्यर्थियों को अनिवार्य रूप से आधे बांह वाले हल्के कपड़े व चप्पल पहनकर आने के निर्देश दिए गए थे।

उड़नदस्ता दलों ने किया औचक निरीक्षण

परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु जिला प्रशासन ने तहसीलदारों के नेतृत्व में तीन विशेष उड़नदस्ता दलों का गठन किया था, जिन्होंने केंद्रों का औचक निरीक्षण कर किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी नजर रखी। नोडल अधिकारी की सहायता के लिए सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख ब्रजभूषण देवांगन और आशीष साहू को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

इन केंद्रों में दी अभ्यर्थियों ने दिया एग्जाम

परीक्षा के लिए जिले में 5720 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 3495 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 2225 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। प्रमुख केंद्रों जैसे शासकीय काकतीय पीजी कॉलेज में 360 में से 199, झाड़ा सिरहा इंजीनियरिंग कॉलेज में 225 और शासकीय दन्तेश्वरी महिला महाविद्यालय में 220 परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसी प्रकार सेजेस कन्या विद्यालय राजेंद्र नगर में 236 और स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल धरमपुरा में 233 परीक्षार्थी शामिल हुए। छोटे केंद्रों में भी उत्साह बना रहा, जहां शासकीय आईटीआई जगदलपुर में 81 और कालीबाड़ी स्कूल में 62 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

वनभूमि पर अतिक्रमण 14 आरोपी गए जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर वन मण्डल के माचकोट परिक्षेत्र में शनिवार को वन भूमि के विखंडन और अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध वन विभाग द्वारा कार्रवाई की गई है। दो अलग-अलग वन अपराध प्रकरणों में सुकमा जिले से आए 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां सभी आरोपियों को रिमांड में केन्द्रीय जेल भेज दिया गया। सभी आरोपियों के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 एवं लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम 1984 के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया है।

- वन संपदा की सुरक्षा, की जा रही गश्त और निगरानी

जगदलपुर उप वन मण्डलाधिकारी योगेश कुमार रात्रे ने बताया कि वन संपदा की सुरक्षा हेतु निरंतर गश्त एवं निगरानी की जा रही है। आरोपियों के विरुद्ध कानूनी शिकंजा कसने के साथ-साथ जनजागरुकता पर भी बल दिया जा रहा है। कार्रवाई में माचकोट के परिक्षेत्र अधिकारी सुमीत साहा के नेतृत्व में संपादित की गई, जिसमें परिक्षेत्र सहायक घुनुराम मरकाम, परिसर रक्षक घुड़सा राम मंडावी, रमेश कुमार बघेल, मोहन कुमार भारती, राजाराम कश्यप, गुलशन बघेल एवं वन प्रबन्धन समिति तोलावाड़ा के सुरक्षा श्रमिक रहे।

वन अपराधों पर पूर्णतः सजग : बस्तर वृत्त के मुख्य वन संरक्षक आलोक कुमार तिवारी ने बताया कि वनों का संरक्षण एवं सुरक्षा विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मैदानी अमले की सतर्कता से इस अतिक्रमण को समय रहते रोका गया है। वन अपराधों पर नियंत्रण हेतु विभाग पूर्णतः सजग है।

जीरो टॉलरेंस की अपनाई जा रही नीति

बस्तर के वन मण्डलाधिकारी उत्तम कुमार गुप्ता ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार वन भूमि पर अवैध कब्जे के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। वन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का अवैध हस्तक्षेप संज्ञेय अपराध है। भविष्य में भी ऐसी सख्त वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

तपती दोपहरी में बेमौसम बरसात से धान को खतरा

लीलाधर राठी ▶▶| सुकमा

बदलते मौसम ने इस बार धान उपार्जन केन्द्र प्रभारियों की नींद उड़ा दी है। पहले से ही सुखती का दंश झेल रहे प्रबंधकों को इस बार भी प्रशासनिक लेटलतीफी के कारण नुकसान उठाना पड़ सकता है। सुकमा जिले मे अभी भी 29 फीसदी धान खुले आसमान में पड़ा है। उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव नहीं हो पाया है। हालत ये है कि सुकमा जिले के 25 उपार्जन केंद्र में से केवल एक सुकमा उपार्जन केन्द्र में कुछ ही क्विंटल धान उठना शेष है, जबकि अन्य 24 केन्द्रों में धान उठने का इंतजार है।

- 24 केन्द्रों को है उठाव का इंतजार
- ढाई लाख क्विंटल धान उठना शेष

40 सेंटीग्रेड तपिश ने बढ़ाई चिंता : तापमान 40 सेंटीग्रेड से उपर तक पहुंच गया है। गर्मी में धान सूखने से वजन कम होगा और उसकी भरपाई सोसाइटी प्रबंधकों के जिम्मे होगी। 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हुई थी। जो जनवरी तक जारी रही। खरीदी पूरी होने के बाद से धान उपार्जन ▶▶| शेष पेज 10 पर

24 केन्द्रों मे ढाई लाख क्विं. धान का उठाव शेष

सुकमा जिले के 25 उपार्जन केन्द्रो में 8 लाख 67 हजार 309 क्विंटल धान खरीदा गया था, इसमें से 29 फीसदी यानि 2 लाख 45 हजार क्विंटल धान अब भी 24 उपार्जन केंद्रों में जमा है। हरिभूमि को मिली जानकारी के अनुसार सुकमा जिले के बीहड़ क्षेत्र की कई सोसाइटियों में धान की मात्रा में कमी की जानकारी सामने आई है। इसी क्रम में जिले की सोसाइटियों में कई हजार क्विंटल धान का शार्टेज आ सकता है। कई सोसाइटियां कह रही हैं कि उनके यहां धान का स्टॉक है, पूरा धान का परिवहन होने के बाद हिसाब किताब करना चाहिए। पता लगा है कि सरकार ने धान की नीलामी करेगी इसलिए भी उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव रोक दिया

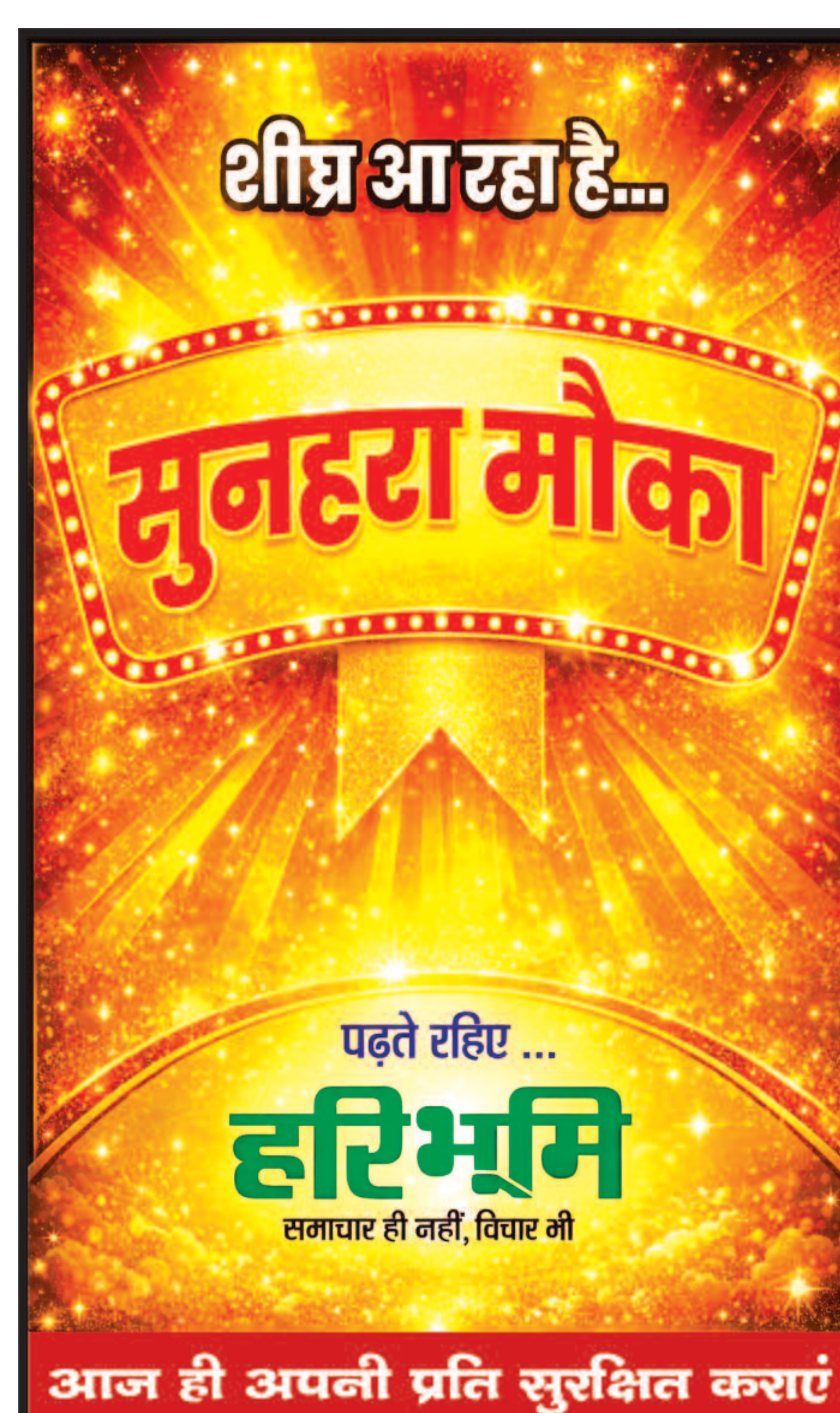

6 माह से कोसारटेडा मध्यम सिंचाई परियोजना से किसानों को नहीं मिल रहा लाभ

मुख्य नहर जर्जर, कोसारटेडा में मरम्मत, नहीं मिल रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर जिले के भानपुरी क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान मानी जाने वाली कोसारटेडा मध्यम सिंचाई परियोजना 6 माह से बंद है। जिससे रबी फसल के लिए सिंचाई प्रभावित हुई है। मंत्री केदार कश्यप की पहल पर कोसारटेडा बांध के मुख्य नहर आरडी 0 से 24 किमी सहित अन्य तकनीकी कार्यों के लिए 41.32 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। वहीं फरसागुड़ा उद्वहन सिंचाई योजना के लिए अलग से 11.97 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं। मरम्मत कार्य तेजी से जारी है जिससे आने वाले 50 वर्षों तक लगभग 40 गांवों के किसानों को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलेगी। परियोजना की मूल सिंचित क्षमता 11,120 हेक्टेयर है जिसमें जीर्णोद्धार के बाद 5000 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र को भी सिंचाई दायरे में लाने का लक्ष्य रखा गया है।इस सुधार कार्य से क्षेत्र की कृषि व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। जल संसाधन विभाग द्वारा किए जा रहे तकनीकी उन्नयन से खरीफ के साथ-साथ रबी फसलों को भी लाभ मिलेगा और किसानों की आय में वृद्धि होगा।

- वन मंत्री की पहल से बन रही दीर्घकालीन योजना

कोसारटेड़ा मध्यम सिंचाई परियोजना सालेमेटा गांव के पास मारकंडी नदी पर स्थित है। जो इंद्रावती की सहायक नदी है। जगदलपुर से लगभग 54 किमी दूर की इस परियोजना से 11,120 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए सिंचित क्षमता विकसित की गई थी। लेकिन समय के साथ नहरों की जर्जर स्थिति के कारण सिंचाई प्रभावित हो रही थी। इसी समस्या को दूर करने के लिए मुख्य नहर का जीर्णोद्धार किया जा रहा है।। वर्तमान में मरम्मत कार्य जारी है।

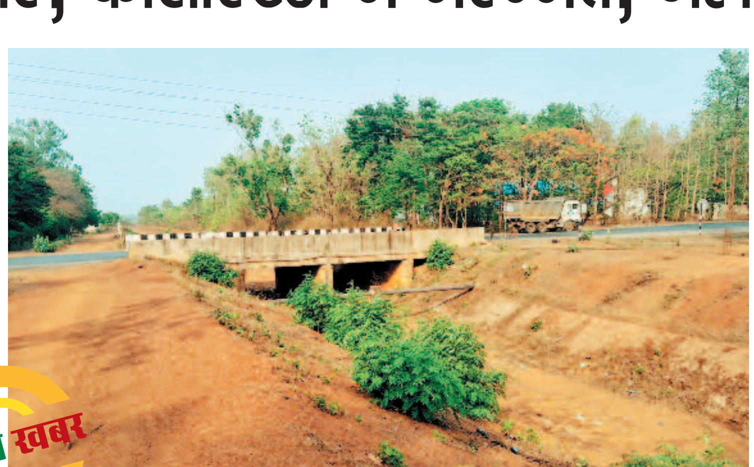

किसानों को मिलेगी सिंचाई सुविधा

कोसारटेडा मध्यम सिंचाई परियोजना का निर्माण कार्य 2008 में पूरा हुआ तब से आज पर्यन्त बांध का मरम्मत नही हुआ था। नहर की लाइनिंग क्षतिग्रस्त हो गई थी। मुख्य नहर क्षतिग्रस्त होने का खतरा बना था। मंत्री केदार कश्यप के पहल पर बांध परियोजना का नहर लाइनिंग व अन्य तकनीकी कार्य किये जा रहे है। किसानों को कई वर्षों तक सिंचाई सुविधा से वंचित नही होना पड़ेगा। पर्याप्त सिंचाई की सुविधा किसानों को मिलेगा।

वेद पांडे, अधीक्षण अभियंता , इन्द्रावती परियोजना

खबर संक्षेप

जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों के अवकाश पर सख्ती

कोण्डागांव। जनगणना 2027 के तहत मकान सूचीकरण एवं गणना का कार्य 1 मई से 30 मई तक किया जाएगा। जनगणना कार्य में संलग्न सभी अधिकारी–कर्मचारियों को अवकाश लेने के लिए कलेक्टर की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। किसी भी अधिकारी–कर्मचारी को बिना पूर्व स्वीकृति मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। विशेष परिस्थितियों में जिला जनगणना शाखा के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करने के बाद ही अवकाश स्वीकृत किया जाएगा। पहले से स्वीकृत अवकाश के मामलों में भी पुनः आवेदन कर कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी से अनुमति लेना जरूरी होगा। जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस की बैठक में भाजपा से जनता को बचाने पर चर्चा

जगदलपुर। उत्तर ब्लॉक प्रभारी अतिरिक्त शुक्ला व सह प्रभारी सुषमा सुता की अध्यक्षता, ब्लॉक अध्यक्ष बलराम यादव के नेतृत्व में एवं ब्लॉक बूथ प्रभारी गौरनाथ नाग व मंडल अध्यक्ष ललिता राव की उपस्थिति में कांग्रेस का मिशन वार्ड चलो अभियान के तहत बालाजी वार्ड में गोलबाजार मंडल की बैठक हुई। पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की रीति नीति एवं जनहित के कार्यों को घर-घर तक पहुंचाने एवं भाजपा के जनविरोधी नीतियों के सम्बन्ध में जनता को सचेत कराने की साथ कांग्रेस की मजबूती पर भी चर्चा की गई। बैठक में जिला महामंत्री अभिषेक नायडू, दंतेश्वर राव, ज्योति राव, करण बजाज, शुभम नायडू, गोपाल तीथार्नी मौजूद रहे।

पहले का बस्तर और नक्सलवाद के बाद क बस्तर को जाना

जगदलपुर। डिजिटल डेमोक्रेसी डायलॉग के तहत बस्तर में सोशल मीडिया क्रिएटर्स मीट का आयोजन रविवार को शौर्य भवन में किया गया। बैठक में पूरे देश के यूट्यूबर्स, इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर्स और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स ने हिस्सा लिया। आईजी सुन्दरराज पी और कलेक्टर आकाश छिकारा ने क्रिएटर्स से संवाद करते हुए बस्तर की पूर्व की स्थिति और बदलती परिस्थितियों, पर्यटन की संभावना, परिवहन व्यवस्था, व्यापारिक गतिविधियों, आदिवासी संस्कृति, दशहरा, हस्तशिल्प और प्राकृतिक सुंदरता के संबंध में जानकारी दी। आईजी ने बस्तर संभाग की पहले की स्थिति, नक्सल गतिविधियों, नक्सल के कारण विकास से दूरी, नक्सलमुक्त होने के बाद का बस्तर और अन्य संभावनाओं की जानकारी दी। क्रिएटर्स ने बस्तर के लिए अपनी विचारों और शंकाओं का समाधान के लिए चर्चा की।

पेज 9 के शेष

तपती दोपहरी में ...

केंद्रों से उठा लिया जाना था। लेकिन सरकार और प्रशासन यह काम अब तक पूरा नहीं कर पाया है।

बेमौसम बारिस ने बढ़ाई चिंता : जिले में मार्च व अप्रैल में तूफान के साथ हुई बारिश ने प्रबंधकों की चिंता बढ़ा दी है। एक ओर जहां घरों के छप्पर उड़ रहे है तो ऐसी स्थिति में तिरपाल से धान को बचाना मुश्किल है। बताया गया है कि पिछले दिनों आई तुफान के साथ बारिश से कई केन्द्रों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। आंकड़ा संपूर्ण उठाव के बाद ही सामने आएगा।

माह के अंत तक हो जाएगा उठावः डीएमओ : इस मामले में डीएमओ राजेन्द्र धुरव ने कहा कि धान उठाव को लेकर हम गंभीर हैं। जितना धान उपार्जन केन्द्रों में है उसे इस माह के अंत तक उठा लिया जाएगा।

विधायक लता ने दी 13.79 करोड़ के 18 विकास कार्यों की सौगात

माकड़ी में लगाया गया जनसमस्या निवारण शिविर, दूरस्थ गांवों तक पहुंच रही योजनाओं की रोशनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

ग्राम माकड़ी में शनिवार को जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं रखीं और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी ने 13 करोड़ 79 लाख रुपए की लागत से 18 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें प्रमुख रूप से शासकीय महाविद्यालय माकड़ी भवन निर्माण 465.84 लाख हीरावंडी से बालेंग सड़क व पुल–पुलिया निर्माण 685.29 लाख, प्री–मैट्रिक व कन्या आश्रमों में कक्ष निर्माण, छात्रावास, लैब व लाइब्रेरी निर्माण कार्य जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शामिल हैं।

कलेक्टर ने दी योजनाओं की जानकारी

कलेक्टर ने बताया कि माओवादमुक्ति के बाद बस्तर क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। बस्तर मुन्ने अभियान, सुशासन तिहार और नियद नेल्लानार 2.0 जैसी योजनाओं के माध्यम से शत–प्रतिशत लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 27 हितग्राहियों को आवास पूर्ण होने पर प्रतीकात्मक चाबी सौंपी गई। इसके साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा 46 राशन कार्ड, 12 जाति प्रमाण पत्र, 07 श्रम कार्ड, 10 आयुष्मान कार्ड, 10 पेंशन की स्वीकृति, दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण, महिला एवं बाल विकास द्वारा पोषण किट का वितरण किया। गोद भराई भी की गई। शिविर में कुल 57 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए।

विधायक लता ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार विकास के साथ–साथ आम नागरिकों को व्यक्तिगत योजनाओं का लाभ भी सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान का उल्लेख करते हुए ग्रामीणों से स्वास्थ्य जांच में सहयोग करने की अपील की। साथ ही कुपोषण और एनीमिया मुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया।

ये रहे उपस्थित – कार्यक्रम में पूर्व विधायक सेवकराम नेताम, जनपद अध्यक्ष जुगबती पोयाम, जिला पंचायत सदस्यगण, जनपद प्रतिनिधि, सीईओ अविनाश भोई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सौगात : माओवाद के खात्मे के बाद पुसपाल में पर्यटन को नई उड़ान

वनमंत्री केदार ने रिसॉर्ट व ओपन रेस्टोरेंट का किया भूमिपूजन, बस्तर- कोडागांव इको टूरिज्म से जुड़ेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

बस्तर अंचल में शांति स्थापना के बाद अब विकास की नई तस्वीर सामने आ रही है। पुसपाल क्षेत्र, जो वर्षों तक माओवाद से प्रभावित रहा, अब ईको–टूरिज्म के रूप में विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

- 3.15 करोड़ से इको टूरिज्म परियोजनाओं का शुभारंभ

इसी कड़ी में वन मंत्री केदार कश्यप ने ग्राम परौदा में 1.45 करोड़ 96 रु हजार की लागत से रिसॉर्ट और पुसपाल नदी तट पर 1.70 रुपए करोड़ की लागत से ओपन रेस्टोरेंट निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य कोंडागांव–बस्तर इको–टूरिज्म सर्किट को विकसित करना है। अब तक पर्यटक टाटामारी से सूर्योदय देखने के बाद सीधे चित्रकूट की ओर चले जाते थे, लेकिन पुसपाल में नए पर्यटन केंद्र विकसित होने से अब यहां भी पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी। पुसपाल क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एटीवी राइड, एडवेंचर राइड रिवर राफ्टिंग, बम्बू राफ्टिंग जैसी गतिविधियां शुरू की जाएंगी। इससे पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य के साथ रोमांच का भी अनुभव कर सकेंगे।

पुसपाल वैली व्यू पॉइंट से सूर्यास्त के मनमोहक –श्य के साथ पर्यटकों को ईको कॉटेज में ठहरने की सुविधा भी मिलेगी। यहां पर्यटक तारों भरे आकाश के नीचे प्र—ति के बीच अनूठा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगार –

वन मंत्री ने कहा कि इस परियोजना से स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार के अवसर मिलेंगे, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी और क्षेत्र की संस्कृति को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान तेन्दूपत्ता संग्राहकों को संग्रहण कार्ड वितरित किए गए। वन मंत्री ने संग्राहकों से अपील की कि वे अधिक मात्र में गुणवत्तापूर्ण तेन्दूपत्ता संग्रह कर शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं। कार्यक्रम में वन विभाग द्वारा ग्रामीणों से वनों को आग से बचाने, अवैध कटाई और अतिक्रमण रोकने की अपील की गई, ताकि प्रा—तिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

जनप्रतिनिधि व अधिकारी रहे उपस्थित

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती यशोदा कश्यप, वनमंडलाधिकारी चूड़ामणि सिंह, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एसडीओपी सतीश भार्गव, जनपद सीईओ उत्तम महोबिया सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

1060 बैग यूरिया जब्त समितियों को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक उचित दर पर उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देश पर उप संचालक कृषि कैलाश मरकाम के नेतृत्व में जिलेभर में ल गा ता र निरीक्षण कर कार्रवाई की जा रही है।

- कृषि आदानों की कालाबाजारी पर सख्ती

निरीक्षण के दौरान आदिम जाति सहकारी समिति मर्यादित सोनाबाल के आकस्मिक निरीक्षण में कई गड़बड़ियां सामने आईं। एक ही पीओएस मशीन से विक्रय, किसानों को मिले उर्वरक में भिन्नता, स्टॉक एवं मूल्य सूची का प्रदर्शन नहीं, स्कंध पंजी का संधारण नहीं, आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई, उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र प्रदर्शित नहीं इन अनियमितताओं पर समिति को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा गया है। विकासखंड बड़ेराजपुर के ग्राम गम्हरी स्थित साधु कृषि सेवा केंद्र में निरीक्षण के दौरान 1060 बैग यूरिया का अवैध भंडारण पाया गया। उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत कार्रवाई करते हुए उर्वरक जब्त कर संस्था को सुपुर्द किया गया है। मामला आगे की कार्रवाई के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। संस्था द्वारा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही प्राधिकार पत्र निरस्त करने की कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी गई है।

यह पूरी कार्रवाई उप संचालक कृषि कैलाश मरकाम, उर्वरक निरीक्षक शशिकांत नाग एवं विश्वनाथ मरकाम सहित ग्रामीण —षि विस्तार अधिकारियों की टीम द्वारा की गई।

भगवान परशुराम का प्रकटोत्सव धूमधाम से मनाया, भक्त उमड़े

फरसगांव। नगर में रविवार को भगवान परशुराम जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। प्रबुद्ध सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही और पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम का आयोजन नगर के गट्टीपलना रोड स्थित प्रबुद्ध सर्व ब्राह्मण समाज भवन में किया गया। सुबह पूजा, हवन एवं आरती के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन के दौरान भजन-कीर्तन और विचार संगोष्ठी का भी आयोजन हुआ, जिसमें समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

- पूजा–अर्चना, हवन और भजन–कीर्तन से गूंजा वातावरण

समाज के सदस्यों ने बताया कि भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं और उन्हें चिरंजीवी माना जाता है। उनका जन्म वैशाख शुक्ल तृतीया अक्षय तृतीया को हुआ था, इसलिए इस दिन परशुराम जयंती मनाई जाती है। वे महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के पुत्र तथा भगवान शिव के परम भक्त थे। उन्होंने अधर्म के विरुद्ध संघर्ष कर धर्म की स्थापना की और वे ज्ञान, शक्ति एवं अनुशासन के प्रतीक माने जाते हैं। दोपहर में श्रद्धालुओं के लिए स्वल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था की गई। पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन और भक्ति का वातावरण बना रहा।

इनकी रही मौजूदगी : इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष राजीव नारायण तिवारी, उपाध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, संरक्षक एसपी शुक्ला, अनिल बाजपेई, कोषाध्यक्ष बलराम झा सहित सदस्य रमेश बाबू पटेरिया,सपन भट्टाचार्य,राकेश चक्रवर्ती , अभिषेक शर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष आशीष बाजपेई, शेषमणि पांडे , महिला प्रकोष्ठ सदस्य श्रीमती दमयंती पांडे, श्रीमती शर्मिला भट्टाचार्य, श्रीमती रुचि शर्मा, श्रीमती शकुंतला तिवारी, श्रीमती ख्याति शर्मा, श्रीमती तनु शर्मा, श्रीमती रिचा शुक्ला आदि सदस्य उपस्थित रहे। सभी के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ।

185 वाहन चालकों पर कार्रवाई 13 पर किया विशेष केस दर्ज

कोण्डागांव। पुलिस द्वारा बीते दिवस सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया, जिसमें कुल 185 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए। जांच के दौरान नियमों का गंभीर उल्लंघन करने वाले 13 वाहन चालकों के विरुद्ध विशेष प्रकरण तैयार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक काव्या घटना एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। पूरे अभियान में यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। शहर के मुख्य चौक–चौराहों एवं एन.एच.–30 पर चेकिंग प्वाइंट बनाकर वाहनों की सघन जांच की गई। बिना हेलमेट, बिना लाइसेंस, नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर विशेष निगरानी रखी गई। जांच के दौरान शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में कोई रियायत नहीं दी जाएगी। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत लोगों को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक किया गया।

दुर्गम और जटिल क्षेत्र में सुरंग बनाकर रेलवे ने रचा कीर्तिमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

ईस्ट कोस्ट रेलवे ने 2025-26 में पूर्वी घाट के दुर्गम और भूवैज्ञानिक रूप से जटिल क्षेत्र में सुरंग निर्माण कर उपलब्धि दर्ज की है। इस दौरान पांच सुरंगों का निर्माण कर रेलवे विकास को नई गति दी गई है। यह वर्ष रेलवे के सुरंग निर्माण में उत्पादक वर्षों में शामिल हो गया है। इस 14 अप्रैल को वाल्टेयर डिवीजन के कोरापुट-सिंगापुर रोड दोहरीकरण परियोजना के सिकारपाई-केउतगुडा खंड में सुरंग संख्या 30 (1,043 मीटर) का निर्माण हुआ है। विशेष बात यह रही कि इस सुरंग का निर्माण 5 डिग्री के तीव्र वक्र पर दोनों सिरों से एक साथ करते हुए 100 प्रतिशत संरेखण सटीकता हासिल की गई, जो अत्याधुनिक तकनीक और उच्च स्तरीय इंजीनियरिंग कौशल का प्रमाण है।

- उन्नत तकनीक और कौशल इंजीनियरिंग का कमाल

इसके साथ ही खुर्दा रोड-बलंगीर नई लाइन परियोजना में भी तेजी से काम हुआ है। यहां सबसे लंबी सुरंग टी-4 (4,185 मीटर) और टी-2 (1,775 मीटर) का निर्माण कार्य शुरू हुआ। जबकि टी-5 और टी-6 (प्रत्येक 250 मीटर) जुलाई 2025 में पूर्ण हो चुकी हैं। इसके बाद नवंबर 2025 में सुरंग टी-7 (1,975 मीटर) का निर्माण पूरा हुआ।

वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 7,051 मीटर सुरंग निर्माण कार्य शुरू हुआ, जबकि 2,475 मीटर सुरंगों का पूर्ण निर्माण, लाइनिंग और अन्य कार्य पूरे किए गए। कोरापुट-रायगड़ा और कोरापुट-सिंगापुर रोड कॉरिडोर जैसे प्रमुख दोहरीकरण खंडों पर भी समानांतर कार्य जारी है।

रेल संपर्क होगा मजबूत

इन परियोजनाओं के पूरा होने से ओडिशा के तटीय और पश्चिमी क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा। माल और यात्री परिवहन क्षमता बढ़ेगी और दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलेगी। यह उपलब्धि ईस्ट कोस्ट रेलवे के मिशन मोड में किए जा रहे कार्यों और दुर्गम परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अपहरण के मामले में पुलिस की त्वरित कार्रवाई

24 घंटे में 2 नाबालिग बरामद, ऑपरेशन मुस्कान तलाश में 5 गुमशुदा महिलाओं को पहुंचाया घर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

पुलिस ने अपहरण के मामले में दो नाबालिग लड़कियों उम्र 13–13 वर्ष को मात्र 24 घंटे के भीतर सुरक्षित बरामद कर परिजनों को सुपुर्द किया गया। इस संबंध में 17 अप्रैल को दर्ज रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर तत्काल जांच शुरू की गई थी।

पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा के मार्गदर्शन में तथा एसडीओपी रूपेश कुमार के नेतृत्व में जिले में ऑपरेशन मुस्कान और तलाश अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी के तहत थाना कोंडागांव की संयुक्त टीम गठित कर गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश तेज की गई। जांच के दौरान दोनों नाबालिगों के ग्राम कोचईबेड़ा थाना बड़े डोंगर में होने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर दोनों को सुरक्षित बरामद किया और उनके परिजनों को सौंप दिया। अभियान के तहत पुलिस ने अन्य गुमशुदा महिलाओं को भी खोज निकाला अंजली मरकाम 18 वर्ष 6 माह, निवासी जैतपुरी 18 अप्रैल को बरामद, रोहिता मरकाम 21 वर्ष, निवासी कोपाबेड़ा नगरनार से बरामद, सुरजोतिन यादव 65 वर्ष, निवासी कोंडागांव 19 अप्रैल को बरामद दो दिनों में 5 महिलाओं की सफल बरामदगी पुलिस की सक्रियता से सिर्फ दो दिनों के भीतर 2 नाबालिगों सहित कुल 5 महिला गुमशुदाओं को सुरक्षित खोजकर उनके परिवारों से मिलाया गया, जिससे परिजनों में खुशी का माहौल है।

इनका रहा सराहनीय योगदान – इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ उपाध्याय, उप निरीक्षक तरुण माईती, सउनि. निहार रंजन मंडल, महिला प्रधान आरक्षक विमला माला, रेवती सिन्हा, आरक्षक रामेश्वर भगत एवं प्रभु राम नेताम का विशेष योगदान रहा।

अनाथ बेटी रोहिणी की 21 अप्रैल को उमर गांव में आएगी बारात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

समाज सेवा और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा पूर्व सैनिक स्व. समीर दत्ता एवं स्वर्गीय श्रीमती गंगाबाई दत्ता की पुत्री कुमारी रोहिणी दत्ता का विवाह 21 अप्रैल को उमरगांव में संपन्न कराया जाएगा। यह आयोजन न केवल एक विवाह है, बल्कि समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और जिम्मेदारी का संदेश भी देता है।

- अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने निभाई सामाजिक

कुमारी रोहिणी दत्ता एवं उनकी बहन कुमारी बबीता दत्ता के माता–पिता का निधन हो चुका है। उनके पिता स्वर्गीय समीर दत्ता पूर्व सैनिक थे। वर्ष 2020 में संगठन के गठन के बाद से परिषद द्वारा दोनों बच्चियों को गोद लेकर उनके पालन–पोषण, शिक्षा और आवश्यक जरूरतों की पूर्ति में निरंतर सहयोग किया जा रहा है। ऐसे में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव ने आगे बढ़कर सामाजिक दायित्व निभाते हुए कुमारी रोहिणी दत्ता के विवाह की संपूर्ण जिम्मेदारी उठाई है।

समाज से सहभागिता और आशीर्वाद की अपील

परिषद ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस अवसर पर सपरिवार उपस्थित होकर नवदंपति को आशीर्वाद प्रदान करें। संगठन का मानना है कि समाज के सहयोग और सहभागिता से ही ऐसे पुनीत कार्य सफल होते हैं। इससे जरुरतमंदों को संबल मिलता है।

एनीकट प्रबंधन और किसानों की सजगता से बदली तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर जिले में इस वर्ष इन्द्रावती नदी की स्थिति बदली हुई नजर आ रही है। जहां पिछले साल इस समय नदी सूखने की कगार पर पहुंच गई थी वहीं इस बार नदी में पर्याप्त जलस्तर है। इस बदलाव के पीछे प्रशासनिक नियंत्रण के साथ-साथ किसानों की सजगता की अहम भूमिका है। पिछले वर्ष जल संकट के कारण नदी किनारे के किसानों को नुकसान उठाना पड़ा था। खेतों की फसलें बर्बाद हो गई थीं और जलस्तर लगातार गिरता गया था। लेकिन इस बार किसानों ने समय रहते एनीकटों की मरम्मत कर ली और पानी के अनावश्यक बहाव को रोकने में सहयोग किया। इस सीजन में एनीकटों से एक बार भी पानी नहीं छोड़ा गया जिससे नदी में जल का संतुलन बना रहा। खासतौर पर नारायणपाल एनीकट के गेट बंद रहने से चित्रकोट जलप्रपात की धारा पर भी सकारात्मक असर पड़ा है। पहले जहां पानी छोड़ने से प्रपात की धारा कमजोर पड़ जाती थी वहीं इस बार वह निरंतर बनी हुई है। इसके अलावा फसल पैटर्न में बदलाव भी एक महत्वपूर्ण कारण रहा। नदी किनारे इस बार मक्के का रकबा अपेक्षाकृत कम रहा, जिससे सिंचाई के लिए पानी का दोहन घटा और नदी का जलस्तर स्थिर बना रहा। पिछले साल जोरानाला विवाद और एनीकटों से पानी छोड़े जाने के कारण नदी सूख गई थी लेकिन इस बार बेहतर प्रबंधन और सामूहिक प्रयासों से स्थिति नियंत्रण में है।

■ इन्द्रावती में भरपूर जलस्तर

एनीकट प्रबंधन बना जल संरक्षण की कुंजी

इस वर्ष एनीकटों से पानी नहीं छोड़े जाने का निर्णय सबसे अहम साबित हुआ। नारायणपाल सहित अन्य एनीकटों के गेट बंद रहने से नदी में जल का प्रवाह बना रहा। इससे न केवल इन्द्रावती का जलस्तर स्थिर रहा, बल्कि चित्रकोट जलप्रपात की धारा पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

खबर संक्षेप

मेला-मड़ई में आए देव विग्रह को दी गई विदाई

तोकापाल। तोकापाल ब्लॉक के अंतर्गत कई गांवों में मेला-मड़ई के अवसर पर देवी-देवताओं का आगमन हुआ है। इस दौरान पूरे गांव में उत्सव का माहौल बना रहा। गांव के सभी परिवारों ने अपने रिश्तेदारों को आमंत्रित किया, जिससे सभी को मेले के उत्सव का आनंद लेने का अवसर मिला। मेले में आकाश झूला, मौत का कुआँ, बच्चों के लिए टॉय ट्रेन, महिलाओं के लिए श्रृंगार की सामाने, मिठाई एवं खिलौनों की दुकानें सहित विभिन्न प्रकार की से मेला सजा हुआ था। हर वर्ग के लोगों में उत्साह देखने लायक था। इस मेले में आसपास के अन्य गांवों से भी अपने-अपने देव विग्रहों को तोकापाल लाया गया। सभी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की, फूल चढ़ाए और नृत्य किए। चितापुर, बर्चपाल आदि स्थानों से आए नर्तक दलों ने मेले की शोभा बढ़ाई। गांव के सिराहा और देव विग्रहों के साथ मिलकर सुहारी हेमचंद कश्यप के यहां से नर्तकों को विदाई दी गई। मेले के समापन के पश्चात सभी देव सिराहों को सम्मानपूर्वक विदा किया गया।

विपक्ष की महिला विरोधी मानसिकता उजागर

दंतेवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने अपने

बयान में कहा कि संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के लिए आवश्यक संविधान संशोधन बिल को लेकर जो स्थिति बनी, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह विधेयक देश की महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर उन्हें निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था। उन्होंने कहा कि आजादी के 78 वर्षों तक महिला सशक्तिकरण का विषय अधिकतर भाषणों और वादों तक सीमित रहा, लेकिन भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस सोच को बदलते हुए ठोस पहल की है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी संविधान संशोधन बिल का विरोध कर कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर अपनी संकीर्ण मानसिकता का परिचय दिया है। इस कदम से देश की करोड़ों महिलाओं की आशाओं और अधिकारों को आघात पहुंचा है। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने जैसे महत्वपूर्ण बिल को रोकना न केवल निंदनीय है, बल्कि यह दर्शाता है कि विपक्ष महिलाओं की वास्तविक भागीदारी

12 वर्ष में एक बार लगता है मेला

मिट्टी से बने डेंगूर में सजा है मां का दरबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

जगतू गुड़ा धरमू गुड़ा की तरह सुकमा देवी चौक माहरा पारा पूर्वजों का बसाया हुआ पारा है। उस जमाने में माहरा जाति का कबीला हुआ करता था। बोधराज गंगानम्मा देवगुड़ी माहरा समाज की आराध्य देवी है। यहां पर प्रति मंगलवार को देवी पूजा अर्चना किया जाता है, यह पूर्वजों से यह परंपरा चलते आ रहा हैं। यह बातें मेला समिति के अध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता पी. बिचेम ने कही।

■ जिले के मूलवासी अन्य समाज के देवी देवताओं को डोंडा माला भेज कर किया जाता है आमंत्रित

बोधराज गंगानम्मा माता देवगुड़ी मेला मंडाई 12 वर्षीय का आयोजन तीन दिवसीय 20 से 21 व 22 अप्रैल को संपन्न होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह बोधराज गंगानम्मा माता देवगुड़ी 13 सौ ईसवीं से स्थापित है। जब सुकमा जिले में काकतीय वंश के राजा हुआ करते थे उस जमाने के पूर्व से है ऐसा हमारे पूर्वजों का कहना था ऐसा बताते थे कि यह देव गुड़ी हमारे पूर्वजों की देन है। पूर्वजों से यह परंपरा चलते आ रहा हैं। बुर्जुगों का कहना है जगतू गुड़ा धरमू गुड़ा हुआ करता था ऐसा ही सुकमा देवी चौक माहरा पारा पूर्वजों का बसाया हुआ पारा है। माहरा समाज के लोग सुकमा से जाकर कोंटा चिंतलनार, जगरगुंडा, दोरनापाल, फुलबगिड़ी, बड़ेसट्टी, जीरमपाल, कोंडरे, गादीरास, नीलावरम, कोर्रा, डोडपाल, पाकेला, छिंदगढ़, रोकल, तोंगपाल, कूकानार, पुसपाल, किरकिपाल, गुम्मा, गंजेनर, बुडदी, गोंगला और रामाराम में बसे हैं। उन सभी गांवों का मुखिया देवी चौक माहरा पारा पटनम पारा है। इस मेला मंडाई में जिले के देवी देवताओं को आमंत्रित किया है।

साथ ही जिले के मूलवासी अन्य समाज के देवी देवताओं को डोंडा माला भेज कर आमंत्रित की है। इस माता मंदिर में जो भी भक्त आकर मन्नत मांगी है उसकी मन्नत पूरी हुई है। खुद

भक्तगण बोलते हैं राजा जमाने में राजा शिकार के लिए निकलने से पहले बोधराज माता की देव गुड़ी में आकर हुकुम मांग कर ही शिकार जाते थे। शाम तक कोई ना कोई जंगली जानवर का शिकार करके मातागुडी के पास आकर देवी की पूजा करते थे और प्रजा राजा को डोली में बैठाकर नचाते थे राजा को देवी चौक माहरा पारा पटनम पारा से प्रजा राजा को डोली में बोकर नचाते हुए राजवाड़ा पहुंचाया जाता था।

25 वर्ष में लगता था मेला

पी. बिचेम ने बताया कि बुर्जुगों का कहना है माहरा समाज सात पीढी से पूर्व से सुकमा गांव बसा हुआ है, जिसमें माहरा समाज के मुखिया, पेरमा, पुजारी, गायता मिलकर बोधराज गंगानम्मा माता गुड़ी में मेला मंडाई करते आ रहे हैं।

आठ दशक पूर्व 25 वर्ष में करते थे उसके बाद चार दशक से 12 वर्ष में करने लगे हैं आज तक वही परंपरा चलते आ रहा है इस माता की देव गुड़ी में सभी धर्म के लोग सनातनी मूलनिवासियों के द्वारा पूजापाठ करते आ रहे हैं आज भी सब मिलकर करते हैं।

आदिवासी संस्कृति से होती है पूजा

इस माता की देवगुड़ी की खासियत यह है यहां पर देवी माता की मिट्टी से बना डेंगूर है उसी पर माता बसा है उसकी ही पूजा पूर्वजों से करते आ रहे हैं। जल जंगल जमीन से जुड़े हुए माहरा समाज है आदिकाल से आदिवासी संस्कृति से सभी समुदाय मिलकर निर्णय लेते हैं। जिसमें सर्व समाज मिलकर पूजा पाठ करते हैं जैसे की बीजा पांडुम, आमा त्यौहार, धान त्यौहार एक साथ मिलकर मनाते हैं। आदिकाल की आराध्य देवी होने के कारण आदिवासी संस्कृति के अनुसार आज भी देवी को पूजते हैं। अंडा ,मुर्गा, बकरा और नारियल अगरबत्ती चढ़ाकर पूजते हैं जितने भी देवी की डोली आती है उन सब देवी के साथ आए लोगों को प्रसाद के रूप में बांटते हैं। बोधराज गंगानम्मा माता दोनों पति पत्नि है। मेला में आगमन होने देवी देवताओं के साथ सभी भक्त जनों का स्वागत एवं अभिनंदन मेला समिति करती है।

परशुराम जयंती पर हनुमान चौक बना श्रद्धा का केंद्र

बचेली। हनुमान चौक में परशुराम जयंती के पावन अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ खीर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम भगवान परशुराम के छाया चित्र में दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित कर पूजा किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर भगवान परशुराम के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्य कमलेश दुबे ने भगवान परशुराम के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे सत्य, धर्म और न्याय के प्रतीक थे। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम को भगवान विष्णु का छठा अवतार माना जाता है, जिन्होंने अधर्म के खिलाफ संघर्ष कर समाज में धर्म की स्थापना की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को खीर प्रसाद वितरित किया गया और सभी ने भगवान परशुराम के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन में संतोष दुबे, भरत शर्मा पंडित, रोशन पांडे सहित बड़ी संख्या में समाज के युवाओं एवं नन्हे बच्चों की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिली, जिससे समाज में एकजुटता और धार्मिक भावनाओं का सुंदर संदेश प्रसारित हुआ। के अंत में आयोजकों ने सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए समाज में आपसी सहयोग और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने की अपील की।

223 कर्मियों को जनगणना प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

जनगणना कार्य निदेशालय रायपुर के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन में आज से जनगणना 2027 के द्वितीय चरण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना से संबंधित तकनीकी प्रक्रियाओं, प्रपत्रों के संधारण तथा डिजिटल डेटा प्रविष्टि की बारीकियों से अवगत कराना है।

■ जिले के 5 तहसीलों एवं 2 नगर पंचायतों के अधिकारी कर्मचारी शामिल

इस प्रशिक्षण के दौरान जिला जनगणना अधिकारी मूलचंद चोपड़ा ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं है, बल्कि यह शासन की विकास योजनाओं और नीतियों की आधारशिला है। उन्होंने सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता, सतर्कता एवं ईमानदारी के साथ करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रशिक्षण एवं अभ्यास सत्रों को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि फील्ड स्तर पर कार्य के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि न हो। इस प्रशिक्षण में जिले की 5 तहसीलों एवं 2 नगर पंचायतों के कुल 223 कर्मियों को शामिल किया गया है, जिसमें 188 प्रगणक एवं 35 पर्यवेक्षक शामिल हैं। सभी प्रतिभागियों को 6 अलग-अलग बैचों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति को विस्तार से समझने और अभ्यास करने का अवसर मिल सके। इसके साथ ही प्रशिक्षण के पहले दिन तहसील दंतेवाड़ा एवं नगर पंचायत गीदम के एक-एक प्रगणक अनुपस्थित पाए गए। इस पर प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए संबंधित चार्ज जनगणना अधिकारियों के माध्यम से अनुपस्थित कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

इस प्रशिक्षण के दौरान जिला जनगणना अधिकारी एवं संबंधित चार्ज जनगणना अधिकारी उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे तथा प्रतिभागियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

4 करोड़ से अधिक के 30 कार्यों का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बचेली

नगर पालिका परिषद बड़े बचेली में 17 अप्रैल को विभिन्न वार्डों में 407.89 लाख रुपये की लागत वाले कुल 30 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी और नगर पालिका अध्यक्ष राजू जयसवाल ने शिलापट्ट का अनावरण कर क्षेत्रवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अमलेन्दु चक्रवर्ती तथा विधायक प्रतिनिधि निलेश पटले भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी।

इस आयोजन की एक बड़ी उपलब्धि बंगाली कैंप पुराना मार्केट क्षेत्र के लिए रही। यहां एक महत्वपूर्ण सामुदायिक भवन का निर्माण पिछले 5 वर्षों से अधूरा पड़ा था, जिसके कारण स्थानीय निवासियों को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा था। जनहित को ध्यान में रखते हुए, नगर पालिका प्रशासन ने इस अधूरे कार्य को पूर्ण करने हेतु निविदा की प्रक्रिया पूरी की और अब इसका कार्य आधिकारिक रूप से शुरू कर दिया गया है। निर्माण कार्यों के भूमि पूजन के साथ साथ मोदी जी की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत चयनित 27 हितग्राहियों को विधायक के द्वारा अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया तथा आवास निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर पूर्ण करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा क्षेत्र का विकास हमारी साझा प्राथमिकता है। पिछले 5 वर्षों से जो कार्य अधूरे पड़े थे, उन्हें ढूंढ-ढूंढ कर पूर्ण किया जा रहा है। बंगाली कैंप में अधूरा पड़ा भवन इसका प्रमाण है।

हम केवल घोषणाओं में नहीं, बल्कि धरातल पर काम करने में विश्वास रखते हैं। ये 30 कार्य बचेली की तस्वीर बदलने में मील का पत्थर साबित होंगे। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि नगर पालिका परिषद बचेली जन-आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य कर रही है। हमने सुनिश्चित किया है कि अधोसंरचना और 15वें वित्त की राशि का उपयोग सीधे जनता की सुविधाओं के लिए हो। अधूरा पड़ा निर्माण कार्य, सौंदर्यीकरण तथा पेयजल संबंधित कार्य अब जल्द ही पूर्ण होकर जनता के उपयोग में आएगा। भूमि पूजन के दौरान दो प्रमुख मदों के तहत बजट का विवरण साझा किया गया। अधोसंरचना मद 228.89 लाख की लागत से 22 निर्माण कार्य।15वां वित्त मद से 179.00 लाख की लागत से 8 महत्वपूर्ण कार्य। ये कार्य संपूर्ण निकाय क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे, जिसमें सड़क, नाली और सामुदायिक सुविधाएँ शामिल हैं।

इस दौरान नगरपालिका अधिकारी पीटीएम कृष्णा राव, उप अभियंता संतोष कुमार नेगी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पिंटू राम उइके, पार्षद धनसिंह नाग, विलासिनी नाग, दीपक सरकार, श्यामलाल सेठिया, गीतांजलि जायसवाल, लक्ष्मी पानी, मनोज सिंह, भाजपा मंडल महामंत्री सुदीप्ता मंडल, झलकी नाग, कोषाध्यक्ष सूरज जायसवाल, अर्नब चक्रवर्ती, नरेश चौहान बादल कुंडू, दिव्यो दुर्गा

सीसीएसएच में न्यूरोसर्जन ने 7 साल के बालक को दी नई जिंदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर में अब न्यूरोलॉजी से जुड़ी समस्याओं का त्वरित हल हो पा रहा है। डिमरापाल स्थित कॉन्टिनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल (सीसीएसएच) में पदस्थ न्यूरोसर्जन डॉ. पवन बृज अब स्थानीय स्तर पर ही न्यूरोसर्जरी से जुड़े मामलों का उपचार कर रहे हैं। डॉ. बृज ने एक 7 साल के बालक की सफल ब्रेन एब्सेस ड्रेनेज सर्जरी की है, बालक की हालत में लगातार सुधार आ रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लगभग 2 से 3 महीनों से कोड़ेनार निवासी 7 साल का राजकुमार मौर्य तेज सिरदर्द से जूझ रहा था, इसके साथ ही उसे बुखार के साथ तेज झटके भी आ रहे थे। गुरुवार की देर शाम बालक के परिजन उसे गंभीर हालत में कॉन्टिनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल (सीसीएसएच) लेकर पहुंचे। यहां डॉ. पवन कुमार बृज ने बालक की हालत देखी और प्रारंभिक जांच में उसके सिर में मवाद भरे होने की जानकारी मिलते ही तत्काल बालक की सर्जरी करने का निर्णय लिया। बालक की गंभीर हालात को देखते हुए उन्होंने रात में तत्काल ऑपरेशन की व्यवस्था करवाई। सर्जरी शुरू करने से पहले एनेस्थीसिस्ट डॉ. जागृति और डॉ. श्रीदेवी ने बालक को एनेस्थीसिया दिया, जिसके बाद डॉ. बृज ने उसकी ब्रेन एब्सेस ड्रेनेज सर्जरी शुरू की। करीब डेढ़ घंटे तक चली सर्जरी के दौरान बालक के सिर से लगभग 40 मिलीलीटर मवाद निकाला गया। ऑपरेशन के बाद बालक को वार्ड में शिफ्ट कर उसे ऑब्जर्वेशन में रखा गया है, जहां बालक के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार आ रहा है। कॉन्टिनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल (सीसीएसएच) के न्यूरोसर्जन डॉ. बृज ने बताया कि यदि बालक की तत्काल सर्जरी नहीं की जाती तो उसकी हालत और ज्यादा बिगड़ सकती थी, जिसके बाद उसे वेंटिलेटर पर रखने तक की नौबत आ जाती, इसीलिए तत्काल ऑपरेशन कर बच्चे की समस्या का उपचार किया गया। उन्होंने बताया कि बच्चे के कान से मवाद आने की समस्या थी, जिसके कारण उसका संक्रमण दिमाग तक फैल चुका था। ब्रेन एब्सेस ड्रेनेज सर्जरी के जरिये अब बालक का सफल ऑपरेशन किया जा चुका है। ऑपरेशन के बाद से उसे अब तक न झटके आये हैं और न ही बुखार आया है। उम्मीद है, जल्दी ही उसे डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

मवाद समस्या को अनदेखा न करें

न्यूरोसर्जन डॉ. पवन बृज ने कहा कि यदि किसी बच्चे के कान से मवाद आने की समस्या हो तो इसे बिल्कुल भी अनदेखा नहीं करना चाहिए, तत्काल डॉक्टर से मिलकर इसका इलाज करवाना चाहिए। उन्होंने बताया कि कई बार लंबे समय से कान से मवाद आने की समस्या का इलाज बेहद आवश्यक है। यदि ऐसा नहीं किया गया तो इससे मरीज की जान भी जा सकती है।

सारांश ने म्यूजिक इंडस्ट्री में रखा कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

सीरियल मेरे साईं में काम कर चुके दंतेवाड़ा के सारांश सिंह ने म्यूजिक इंडस्ट्री में कदम रखा है। उनका डेब्यू गाना मनमानी 17 अप्रैल को रिलीज हुआ है, उन्होंने दंतेवाड़ा से लेकर रायपुर, दुर्ग और धमतरी तक के कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षकों से मुलाकात कर अपने गाने का पोस्टर साइन करवाया। दुर्ग में एसपी विजय अग्रवाल ने उन्हें फिटनेस के टिप्स और कोरोना काल में डॉग्स पर लिखी अपनी किताब भेंट की। वहीं धमतरी कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने सारांश की पहली किताब गुंडाधुर लिखवाने में मदद की थी। दंतेवाड़ा कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के साथ उन्होंने क्षेत्र में संगीत महाविद्यालय को लेकर चर्चा की, कांकेर एसपी निखिल राखेचा से मुलाकात के दौरान पता चला कि नारायणपुर कलेक्टर नम्रता जैन जो दंतेवाड़ा जिले की पहली आईएएस अधिकारी हैं। सारांश की सीनियर और ट्यूशन पार्टनर रह चुकी हैं। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय और सीईओ जयंत नाहटा ने सारांश के विज़न की सराहना की। वहीं राजधानी में कलेक्टर गौरव सिंह और डीएसपी नंदिनी ठाकुर ने सारांश के 'मनमानी' सॉन्ग फ्रेम पर हस्ताक्षर कर आर्टिस्ट को समर्थन दिया।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

उच्च न्यायालय के खंडपीठ का कांग्रेस करती है समर्थन

जगदलपुर। कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अवधेश कुमार झा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि बस्तर जिला अधिवक्ता संघ एवं बस्तर चेंबर ऑफ कॉमर्स ने संयुक्त रूप से बस्तर में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के खंडपीठ स्थापित करने की पहल की है कांग्रेस इसका समर्थन करती है। उन्होंने कहा की छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद से ही कांग्रेस बस्तर की भौगोलिक परिस्थितियों एवं यहां के बहुसंख्यक आदिवासी समुदाय को सस्ता एवं सुलभ न्याय उपलब्ध करवाने के लिए खंडपीठ की मांग का समर्थन करते आ रही है । कोन्टा और भोपालपटनम जैसे दूरस्थ अंचल जिसकी दूरी बिलासपुर हाईकोर्ट से 500 से 600 किलोमीटर है। यहां के लोगों को उच्च न्यायालय तक जाने आने में तीन दिनों का समय एवं अत्यधिक राशि खर्च करना पड़ता है। ऐसे में यहां खंडपीठ खोलने से गरीबों को न्याय मिल पाएगा।

जल संरक्षण के लिए महिला जल वाहिनी ने उठाई जिम्मेदारी

जगदलपुर। जल जीवन मिशन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत ककालगुर के आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण पखवाड़ा मनाया गया। कार्यक्रम में पोषण और जल संरक्षण के अभियान पर चर्चा हुई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता फूलो पोडियामी ने ताजे भोजन और रेडी-टू-ईट फूड के माध्यम से पोषण का महत्व समझाया, वहीं गांव की जागरूक महिलाओं ने घर-घर तक स्वच्छ जल और जल संरक्षण का संदेश पहुंचाने का बीड़ा उठाया। परियोजना समन्वयक ज्योत्सना सूना ने महिला जल वाहिनी के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें जल प्रबंधन की धुरी बताया। उन्होंने स्वच्छ जल व स्वच्छता को विस्तार से समझाते हुए कहा कि जब महिलाएं जल की सुरक्षा और शुद्धता का जिम्मा संभालती हैं, तो पूरे गांव का स्वास्थ्य सुरक्षित होता है।

शहीद जवान के गांव पहुंचकर सीआरपीएफ ने उनकी वीरता को किया याद

परिजनों का अफसरों ने किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

- दीप प्रज्वलन, पुष्पांजलि और दो मिनट का मौन रखकर शहीद को श्रद्धांजलि दी गई

80 बटालियन सीआरपीएफ ने वीर शहीद देवेन्द्र कुमार सेठिया की द्वितीय शहीद वर्षगांठ भावपूर्ण वातावरण में मनाई। जवान के पैतृक ग्राम धोबीगुड़ा के प्राथमिक स्कूल प्रांगण स्थित शहीद स्मारक पर वीर सपूत को नमन किया गया। दीप प्रज्वलन, पुष्पांजलि और दो मिनट का मौन रखकर शहीद को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर शहीद की वीरगाथा को याद करते हुए जनसमूह भावुक हो उठा। समारोह में शहीद के परिवारजनों को सम्मानित किया गया। बताया गया कि 19 अप्रैल 2024 को बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र अंतर्गत गलगम कैंप के पास लोकसभा चुनाव ड्यूटी के दौरान नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट में वे गंभीर रूप से घायल हुए थे और उपचार के दौरान उन्होंने वीरगति प्राप्त की।

कार्यक्रम में सीआरपीएफ एवं समूह केन्द्र रायपुर के अधिकारियों, जवानों और ग्रामीणों की उपस्थिति रही। जिन्होंने शहीद के अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया। पुलिस उप महानिरीक्षक मानस रंजन, कमांडेंट जितेन्द्र कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी पुरूषोत्तम कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ उत्पल गगोई, उप कमांडेंट मकसूद आलम, सहायक कमांडेंट ओम कुमार गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग सहित अन्य अधिकारी, जवान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

घटती उर्वरता और बढ़ती लागत के बीच टिकाऊ खेती की ओर कदम

बस्तर में हरी खाद मॉडल से खेती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर जिले में खेती का बदलता परिदृश्य एक नई दिशा की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय से रासायनिक उर्वरकों पर बढ़ती निर्भरता ने जहां मिट्टी की प्राकृतिक क्षमता को कमजोर किया, वहीं किसानों की लागत भी लगातार बढ़ती गई।

इसी चुनौती को अवसर में बदलते हुए कृषि विभाग अब जिले में टिकाऊ और कम लागत वाली खेती के मॉडल को बढ़ावा दे रहा है। इस नई पहल के तहत जिले के सातों ब्लॉकों में 575 हेक्टेयर क्षेत्र में हरी खाद आधारित खेती को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई है। इसका उद्देश्य न केवल मिट्टी की सेहत सुधारना है बल्कि किसानों को दीर्घकालिक लाभ देने वाली खेती प्रणाली से जोड़ना भी है। योजना को सफल बनाने के लिए विभागीय स्तर पर तैयारी दी गई है।

- 575 हेक्टेयर में प्रयोग, किसानों को प्रशिक्षण और बीज उपलब्ध

एडीओ, आरएईओ सहित मैदानी अमले को वर्चुअल प्रशिक्षण दिया जा चुका है और अब किसानों तक तकनीक पहुंचाने की रूपरेखा तैयार है। आने वाले दिनों में किसानों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे वे इस पद्धति को आसानी से अपना सकें।

इसके साथ ही शासकीय बीज निगम के कोकामुंडा प्रक्षेत्र में ब्लू-ग्रीन एल्गी मदर कल्चर का उत्पादन भी किया जा रहा है, जिससे जिले के करीब 500 किसानों को लाभ मिलेगा। यह पहल जैविक खेती को मजबूत आधार देने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

मिट्टी की सेहत सुधारने का समाधान

हरी खाद एक ऐसी जैविक पद्धति है, जिसमें विशेष फसलों को उगाकर फूल आने से पहले ही मिट्टी में मिला दिया जाता है। इससे जमीन में कार्बनिक तत्वों की मात्रा बढ़ती है और नाइट्रोजन का प्राकृतिक संचार होता है। यह प्रक्रिया मिट्टी की संरचना को मजबूत बनाते हुए उसकी जलधारण क्षमता और उपजाऊपन में सुधार करती है। जिससे रासायनिक खाद की निर्भरता कम होती है और 25 से 40 प्रतिशत तक पोषक तत्वों की पूर्ति संभव हो जाती है।

कम लागत में अधिक उत्पादन

हरी खाद के उपयोग से मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ती है जो पौधों को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराते हैं। यह तकनीक वातावरण से नाइट्रोजन को स्थिर कर मिट्टी में जमा करती है और फास्फोरस व पोटाश के अवशोषण को बेहतर बनाती है। परिणामस्वरूप किसानों का रासायनिक उर्वरकों पर खर्च घटता है और फसल की गुणवत्ता के साथ उत्पादन में भी सुधार होता है।

आसान है तरीका

हरी खाद तैयार करने के लिए किसान खेत में सन, ढैंचा, मूंग या उड़द जैसी फसलों की बुवाई करते हैं। प्रति एकड़ 30-40 किलो बीज पर्याप्त होता है। लगभग 40-45 दिनों बाद जब फसल हरी और घनी हो जाती है, तब उसे जुताई कर मिट्टी में मिला दिया जाता है। इसके बाद धान या अन्य खरीफ फसलों की रोपाई की जाती है, जिससे खेत की उर्वरता बढ़ती है और उत्पादन बेहतर मिलता है।

बेहतर उत्पादन मिलेगा

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसान इस पद्धति को अपनाते हैं तो उन्हें कम लागत में बेहतर उत्पादन मिलेगा और जमीन की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहेगी।

राजीव श्रीवास्तव, उपसंचालक कृषि

चिड़ईपदर-टिकरा लोहंगा सड़क बदहाल

घाटलोहंगा/ भोण्ड। बस्तर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत टिकरा लोहंगा के आश्रित ग्राम चिड़ईपदर से टिकरालोहंगा तक जाने वाली मुख्य मार्ग इन दिनों बदहाली की चरम सीमा पर पहुंच चुकी है। हल्की बारिश के बाद सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भर गया है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क के निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है। पंचायत, जनपद पंचायत, जिला पंचायत और प्रशासनिक अधिकारियों को कई बार ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, लेकिन आज तक सड़क निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई। हालात ऐसे हैं कि शनिवार शाम हुई मामूली बारिश ने ही सड़क की पोल खोलकर रख दी। यह मार्ग चिड़ईपदर और टिकरा लूंगा के बीच मुख्य संपर्क मार्ग है, जिससे ग्रामीणों का आना-जाना, बच्चों का स्कूल पहुंचना और मरीजों का अस्पताल तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो गया है। कीचड़ और गड्ढों से भरी सड़क पर आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

जोखिम वाले मरीजों का एक्स-रे किए जाने पर बल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

- तोकापाल ब्लॉक के दौरे पर पहुंचे सीएमएचओ

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक विकासखंड तोकापाल पहुंचे। दौरे की शुरूआत में सीएमएचओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तोकापाल पहुंचकर ओपीडी में ड्यूटी कर रहे चिकित्सा अधिकारियों से भेंट कर मौसमी बीमारियों के मरीजों के बारे में जानकारी ली। क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 100 दिवसीय कार्यक्रम में अधिक से अधिक संभावित क्षय रोगियों के एक्स-रे और स्पूटम की जांच हेतु बताया गया। सीएचसी में पदस्थ एक्स-रे टेक्निशियन को उच्च जोखिम वाले मरीजों को अधिक से अधिक एक्स-रे किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसी तरह सीएससी में चलाया जा रहे हैं, एचवीपी टीकाकरण के बारे में भी 15 वर्ष कम बालिकाओं जानकारी ली गई और इंचार्ज आरती प्रसाद को बताया गया कि सभी सेक्टर वार और आमवार सभी 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाने हेतु रोटेशन से बुलाने कहा गया। कोयपाल में कुछ मरीजों के पीड़ित होने की सूचना मिलने पर सेक्टर सुपरवाइजर मोहन कश्यप के साथ सीएमएचओ कोयपाल के छेपड़पारा पहुंचे। वहां पर पीड़ित परिवार के सदस्यों से जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश सेक्टर प्रभारी आभा शाही और सेक्टर सुपरवाइजर मोहन कश्यप को दिए गए। केशलूर के मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत किया जा रहे सर्वे कार्य को गंभीरता से लेते हुए प्रतिदिन ऑनलाइन एंट्री करने हेतु बताया गया। सोशनपाल के कोटवार पर में टीम द्वारा 20 घर के 102 व्यक्तियों का सर्वे कार्य किया गया। निरीक्षण टीम में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सी. मैत्री, प्रभारी बीटीइओ बलराम पांडे और सुपरवाइजर मोहन कश्यप और शकील खान शामिल रहे।

गीत-संगीत के साथ मनाया बांग्ला नववर्ष मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

- मातृभाषा में अभिवादन का लिया गया संकल्प

बांग्ला नव वर्ष मिलन समारोह का आयोजन शिल्पी सांस्कृतिक संस्था ने किया। कार्यक्रम का प्रारंभ संस्थापक सदस्य जतिन राय चौधरी ने स्वागत भाषण से किया। नए वर्ष का आव्हान करते हुए महिलाओं ने समूह गीत की प्रस्तुति दी । जिसमें प्रतिमा राय चौधरी, गीता विश्वास, श्वेता विश्वास, इंद्राणी नंदी, निवेदिता राय चौधरी, संगीता शील, सीमा बागची शामिल थे।

कु. कनिष्क तथा कु. पृथ्वी ने चैतन्य महाप्रभु के जीवन के एक विशेष पल को नृत्य के माध्यम से शुभम राय एवं कु दिशा राय ने प्रस्तुति दी। एकल गीत की प्रस्तुति प्रतिमा राय चौधरी, श्वेता विश्वास, सुनील भगत, संजीव शील, देवव्रत बडाल ने दिया। इंद्राणी नंदी ने कवि सुकुमार राय द्वारा लिखित नए वर्ष को आव्हान करने की कविता का प्रस्तुति दी। संस्था के संस्थापक सुबीर नंदी ने शिल्पी सांस्कृतिक संस्था के बारे में जानकारी दी। भाषा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा सभी को अपनी मातृभाषा का ज्ञान होना चाहिए। एक संकल्प लेते हुए उन्होंने कहा हमारा अभिवादन एक दूसरे को उनकी मातृभाषा से करना चाहिए। इससे एक दूसरे के प्रति प्यार बढ़ेगा और एकजुटता बनी रहेगी। सुबीर नंदी एवं संस्था अध्यक्ष दिशांत चक्रवर्ती के नेतृत्व में शिल्पी परिवार की ओर से सभी को श्रीफल एवं गीता प्रदान किया गया। संचालन संजीव शील एवं निवेदिता राय चौधरी ने किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक यज्ञ सिंह, डॉ हेमंत कुमार, डॉ संजय बसाक, दीपक घोष, मनोरंजन राय, हरि माधव दास, दुलाल घोष, शांतनु नाग, जय गोपाल सरकार, चंद्रशेखर स्वरूप, संजय जयसवाल, गोपाल भारद्वाज, दिनेश पटेल, नीलिमा विश्वास एवं अन्य मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापन महासचिव असीम गाईन ने किया। यह जानकारी विनीत सुबीर नंदी ने दी।

घर-घर जाकर टीम रोज कर रहे डेढ़ सौ लोगों की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बकावंड में 13 अप्रैल से 14 मई तक मुख्यमंत्री स्वस्थ्य बस्तर अभियान की शुभारंभ हो चुका है, जिसमें सभी ग्राम पाराओं में घर-घर भ्रमण कर परिवार के प्रत्येक सदस्यों की जांच एवं उपचार किया जा रहा है।

भीषण गर्मी को देखते हुए यह अभियान लगभग सुबह 7 बजे से शुरू हो कर प्रतिदिन 150 व्यक्तियों की जांच उपचार आन लाईन पोर्टल मे इन्ट्री कर रहे हैं। मुख्यंत्री स्वस्थ्य बस्तर अभियान व एचपीवी टीकाकरण के बारे में पर्यवेक्षक दिनेश पराते विस्तारपूर्वक ग्रामीणों को कौड़ावंड में समझाते हुए इस अवसर पर दुर्गा कंवर लेप्रा सोसाइटी के रामाराव पर्यवेक्षक रेणुका मसीह स्टाफ नर्स दिलेश्वरी कश्यप सहित कौड़ावंड के मितानीन उपस्थित हुए।

इसमे कुष्ठ, टीबी, फाइलेरिया, मलेरिया, सिकल सेल, एनिमिया, बीपी, शुगर समस्त बिमारियों की जांच एवं उपचार स्वास्थ्य लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। एपीवी टीकाकरण हेतु 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को लाकर टीकाकरण हेतु परिजनों को विस्तार से समझाया साथ में आधार कार्ड जन्म प्रमाण पत्र व मोबाइल नंबर लेकर आने हेतु प्रेरित किया।

चित्रकोट में जर्जर सीढ़ी से गुजरना जोखिम भरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

- तीरथा और चित्रकोट आने वाले पर्यटकों को हो रही परेशानी

चित्रकोट और तीरथा की ओर जलप्रपात के नीचे उतरने के लिए बनाई गई सीढ़ियों में तीरथा मार्ग की सीढ़ी जर्जर हो गई है। कई स्थानों पर सीढ़ियां टूट गई हैं। एक जगह तो सीढ़ी पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। यहां लोग सरिया में लकड़ी बांधकर जान जोखिम में डालकर नीचे उतरने और ऊपर चढ़ने को मजबूर हैं। उल्लेखनीय है कि तीरथा की ओर प्रत्येक सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पार्वती कोंटा में पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा सामान्य दिनों में भी लोग पिंडदान और अन्य धार्मिक कार्यों के लिए यहां आते हैं। मछुआरे भी प्रतिदिन इसी रास्ते का उपयोग करते हैं जिससे यह मार्ग उपयोग में बना रहता है। इसके बावजूद जर्जर सीढ़ियों की मरम्मत के लिए अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। कोंडागांव से पहुंचे पर्यटक श्यामसुंदर यादव, राजकिशोर और बलराम यादव ने कहा कि चित्रकोट पर्यटन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण स्थल है। जहां तीरथा मार्ग से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। इसके बावजूद इस खतरनाक स्थिति को नजरअंदाज किया जा रहा है जो सीधे-सीधे पर्यटकों के जान के साथ खिलवाड़ है।

निर्माण पर खड़े हो रहे सवाल

चित्रकोट की मुख्य दिशा में सीढ़ियों का निर्माण पहले ही किया जा चुका था। जबकि तीरथा की ओर की सीढ़ी का निर्माण बाद में किया गया। लेकिन कम समय में ही यह सीढ़ी पूरी तरह जर्जर हो गई है। जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सीढ़ी बनने से पहले भी लोग चट्टानों के बीच से जोखिम उठाकर नीचे उतरते थे लेकिन सीढ़ी निर्माण के बाद उन्हें सुविधा मिली थी। अब वही सीढ़ी खतरनाक बन चुकी है।

23 सड़कों को मिली मंजूरी

लोहंडीगुड़ा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 86 नई सड़कों की स्वीकृति दी गई है, जिसे क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेष रूप से लोहंडीगुड़ा विकासखंड के लिए 23 नई सड़कों की स्वीकृति ने ग्रामीण अंचलों में नई उम्मीद जगाई है।

यह परियोजना न केवल आवागमन को सुगम बनाएगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, शिक्षा के अवसरों का विस्तार, स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन और जीवन स्तर में व्यापक सुधार का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। इस संबंध में जनपद उपाध्यक्ष डॉ. बसंत कश्यप ने कहा कि यह पहल बस्तर के सुदूर इलाकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को नई गति मिलेगी।

चेहरे की चर्बी घटायें
चेहरे की झुर्रियां व चर्बी का लेजर द्वारा ईलाज
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

online Booking:-www.tripuryatra.com
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
स्लीपर मात्र 21,500/-
15 दिन
चार धाम यात्रा
श्री केदार नाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री
श्री यमुनोत्री, श्री हरिद्वार, श्री ऋषिकेश
श्री त्रियुगीनारायण, श्री तुगनाथ महादेव
अन्य दर्शन:-काशी विश्वनाथ, पंच प्रयाग दर्शन- (विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग, देवप्रयाग), माना गाँव (भारत का अंतिम गाँव),धारी देवी,चोपता
07 मई, 11 मई,
25 मई, 06 जून, 15 जून 2026
राशि:-स्लीपर-21,500/-, 3 एसी- 31,500/-, 2 एसी- 38,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
मिनिमल इनवेसिव, लैप्रोस्कोपिक व रोबोटिक कैंसर सर्जरी हेतु कुशल टीम
डॉ. युसूफ मेमन — डायरेक्टर, कैंसर सर्जन, MS, FSOG, FIAGES, FMAS
डॉ. अर्पण चतुरमोहता — MS, MCH, FIAGES HOD, सर्जिकल डायरेक्टर, कैंसर सर्जन
डॉ. मौ रॉय — MBBS, MS, MCh, क्लिनिकल डायरेक्टर,कैंसर सर्जन
डॉ. विवेक पटेल — MBBS, MS, MCh कैंसर सर्जन
डॉ. कल्याण पांडेय — MBBS, MS, MCh, कैंसर सर्जन
डॉ. विकास अग्रवाल — MBBS, DINBN, PDF, FMAS, FISCP, MNAMS, कैंसर सर्जन
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, छ.ग., +91 7389905010, 04010

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
NABH
छत्तीसगढ़ की एकमात्र "O-Arm with Artificial Intelligence Navigation Machine"
• ओ-आर्म असिस्टेड मिनिमल इनवेसिव स्पाइन सर्जरी
• स्कोलियोसिस सर्जरी • माइक्रो एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी • T-LIF सर्जरी
• सर्वाइकल एवं क्रैनियोवर्टेब्रल स्पाइन सर्जरी • स्पाइनल कैंसर एवं ट्यूमर
स्पाईन केयर क्लिनिक
डॉ. मनीन्द्र भूषण — MS, DNB (Ortho), FNB (Spine Surgery)
आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, सी.जी.एच.एस., सभी कारपोरेट संस्थाओं एवं सभी इंश्योरेंस कंपनियों से ईलाज की सुविधा उपलब्ध
डॉ. संदेश अग्रवाल — MS (Ortho), FISS FMISS Robotic and Minimally Invasive Spine Surgeon
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737